पाठ्यक्रम

(Syllabus)

बी.ए. समाजशास्त्र

सत्र 2021-22

यूजीसी द्वारा अधिमान्य LOCF (learning Outcomes-based Curriculum Framework) पर आधारित

ज्ञान शांति मैत्री

समाजशास्त्र विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

विश्वविद्यालय के उद्देश्य :

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार :

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।

विभाग की कार्य-योजना :

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग की विस्तृत कार्य-योजना :

शीर्षक	कार्य-योजनाएँ
शिक्षण	• उपाधि कार्यक्रम ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम ❖ स्नातक कार्यक्रम ✓ अंतरविषयी दृष्टिकोण पर एक विशेष प्रोत्साहन के साथ आलोचनात्मक, नवाचार और मौलिक सामाजिक तथ्यों की अत्याधुनिक अनुसंधानपरक अध्ययन-अध्यापन की संस्कृति को बढ़ावा देना। ✓ सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों को भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जानना और समझ विकसित करना। ✓ ऐसे पाठ्यचर्या, शिक्षण, शोध और अन्य अकादमिक गतिविधियों की संरचना और संचालन करना जिससे छात्रों में समीक्षात्मक विवेक का विकास हो।
प्रशिक्षण (यदि कोई है)	• हिंदी भाषा दक्षता हेतु कार्यक्रम का आयोजन करना। • सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) की तकनीकी दक्षता का शोध एवं शिक्षण में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करना। • उच्च शिक्षा के नवाचारों जैसे विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS), ऑनलाइन अधिगम, अंतरानुशासन आदि के क्षेत्र में प्रयोग को बढ़ावा देना। • अंतरविषयी दृष्टि की पुष्टता एवं प्रोत्साहन हेतु अन्य विभागों के साथ अंतरविषयक अध्ययन-अध्यापन का आयोजन करना। • सामाजिक नवाचार और परिवर्तन के संदर्भ में विद्यार्थियों हेतु गोष्ठियों का आयोजन। • विभिन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्रों से संबंधित व्याख्यानों एवं गोष्ठियों का आयोजन। • छात्रों हेतु व्यवहारमूलक क्रियाओं के लिए, वैश्विक मुद्दों को क्षेत्रीय संदर्भ में समझने एवं उसका भारत पर पड़ने वाले प्रभाव की समझ विकसित करने हेतु समय-समय पर छोटे-छोटे कार्यशालाओं का आयोजन। • वैज्ञानिक शोध हेतु गुणात्मक एवं गणनात्मक प्रविधियों की अलग-अलग कार्यशालाओं का आयोजन करना।

शोध	• सामाजिक प्रक्रियाओं, परिघटनाओं एवं व्यवस्थाओं के साथ-साथ आसन्न सामाजिक मुद्दों के बहुआयामी क्षेत्र। • भारतीय एवं वैश्विक परिप्रेक्ष्य के साथ अंतरविषयी दृष्टिकोण।
	पी-एच.डी. कार्यक्रम : X
	शोध-परियोजना : X
ज्ञान-वितरण के माध्यम	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है)	X

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यक्रम-विवरण

विभाग/केंद्र का नाम : समाजशास्त्र विभाग

पाठ्यक्रम का नाम : बी.ए. समाजशास्त्र

पाठ्यक्रम कोड : बी.ए.एस

अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs) :

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों का अध्ययन तथा समझ विकसित होगा। • सामाजिक व्यवस्था एवं समाज के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों से परिचय होगा। • सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान की सैद्धांतिकी समझ विकसित होगा।	• विकसित सैद्धांतिक दृष्टि एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोग का कौशल विकसित होगा। • सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा।	• शिक्षण एवं शोध में अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • समाजशास्त्री के रूप में अवसर। • सिविल एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अंतरराष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर।

पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट
विकल्प 1	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्य पाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक	1. कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख** एवं **समूह-ग** से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-ग में उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख** से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

यह पाठ्यक्रम ऐसे सक्षम और योग्य समाज के निर्माण को समर्पित है जो समाजशास्त्र में ज्ञान की दृष्टि तथा अनुप्रयोग के श्रेष्ठ मानक स्थापित करें। सामाजिक प्रासंगिकता को ध्यान में रखें एवं अंतरानुशासनिक दृष्टि से युक्त हों। अतएव, इस पाठ्यक्रम के निम्न मुख्य उद्देश्य इस प्रकार बनाए गए हैं ---

- समाजशास्त्र के अनुशासन में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकास।
- सामाजिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों का अध्ययन तथा समझ विकसित करना।
- सामाजिक व्यवस्था एवं समाज के संचालन की विधाओं से विद्यार्थी को परिचित कराना।
- सामाजिक समस्याओं को जानना एवं उनका समाधान खोजना।
- विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य का विकास करना।
- ज्ञान प्राप्ति की विभिन्न विधाओं का अभ्यास कराना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्यों, अध्ययन पद्धतियों और अनुप्रयोगों से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों की समाज के विभिन्न क्षेत्रों में रुचि का विस्तार करना।

अवधि: तीन वर्ष (06 सेमेस्टर), 120 क्रेडिट + 8 अतिरिक्त क्रेडिट

योग्यता: किसी भी अनुशासन अथवा विषय में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से 10+2 की परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन के विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।

प्रवेश-प्रक्रिया: विश्वविद्यालय के नियमानुसार।

ज्ञान शांति मैत्री

बी. ए. समाजशास्त्र (120 क्रेडिट)

सत्र : 2020-23 सेमेस्टरवार विवरण

प्रथम सेमेस्टर			द्वितीय सेमेस्टर		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएएस - 01	समाजशास्त्र का परिचय	4	बीएएस - 03	भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	4
बीएएस - 02	यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	2	बीएएस - 04	भारतीय समाज के परंपरागत आधार	2
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2	ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2	**अनिवार्य (हिंदी)**	**विषय समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2
अतिरिक्त अनिवार्य - 1	**कंप्यूटर दक्षता**	**4**	**अनिवार्य - 1**	**पर्यावरण**	4
कुल क्रेडिट		**18**	**कुल क्रेडिट**		**22**

तृतीय सेमेस्टर			चतुर्थ सेमेस्टर		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएएस - 5	भारतीय समाज: मुद्दे एवं समस्याएं	4	बीएएस - 7	सामाजिक नियंत्रण	4
बीएएस - 6	सामाजिक परिवर्तन	2	बीएएस - 8	प्रैक्टिकम (निबंध लेखन)	2
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2	ऐच्छिक - 1	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2	**अनिवार्य (हिंदी)**	**विषय समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2
अनिवार्य - 2	**भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार**	4	**अतिरिक्त अनिवार्य - 2**	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा	**4**
कुल क्रेडिट		**22**	**कुल क्रेडिट**		**18**

पंचम समेस्टर			षष्टम समेस्टर		
कोर्स कोड	**विषय**	**क्रेडिट**	**कोर्स कोड**	**विषय**	**क्रेडिट**
बीएएस - 9	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक	3	बीएएस – 12	सामाजिक चिंतक	3
बीएएस - 10	सामाजिक संस्थाएं	3	बीएएस – 13	सामाजिक आंदोलन	3
बीएएस - 11	सामाजिक शोध-प्रविधि	3	बीएएस – 14	परियोजना/क्षेत्र कार्य	3
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	3 3 3	**अनिवार्य (हिंदी)**	**विषय समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	3 3 3
अनिवार्य - 3	**भारतीय संस्कृति**	2	**अनिवार्य - 4**	**भारतीय चिंतक**	2
कुल क्रेडिट		**20**	**कुल क्रेडिट**		**20**

नोट: स्नातक पाठ्यक्रम हेतु समाजशास्त्र विषय में कुल 42 क्रेडिट का अध्यापन कार्य किया जाएगा। जबकि 78 क्रेडिट विश्वविद्यालय के अन्य अध्ययन विभागों में सहभागिता से अर्जित किया जाएगा।

टिप्पणी

- बी.ए. - समाजशास्त्र पाठ्यक्रम कुल 120 क्रेडिट का होगा एवं इसकी अवधि छ: सेमेस्टर (तीन वर्ष) की होगी।
- प्रथम और चतुर्थ सेमेस्टर 18-18 क्रेडिट का, द्वितीय और तृतीय सेमेस्टर 22-22 क्रेडिट का तथा पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर 20-20 क्रेडिट का होगा।
- समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रथम से चतुर्थ समेस्टर तक विद्यार्थी को 04 एवं 02 क्रेडिट के दो विषयपत्रों (06 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर) को पढ़ाया जाएगा। इसी प्रकार पंचम एवं षष्ठम सेमेस्टर में विद्यार्थी को समाजशास्त्र में 03-03 क्रेडिट के तीन विषयपत्रों (09 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर) को पढ़ाया जाएगा।
- इस प्रकार कुल 120 क्रेडिट के विषयपत्रों में से 42 क्रेडिट के विषयपत्र (Courses) समाजशास्त्र विभाग द्वारा पढ़ाए जाएंगे तथा शेष 78 क्रेडिट (ऐच्छिक, अनिवार्य हिंदी एवं अनिवार्य पाठ्यचर्या) विश्वविद्यालय के अन्य विभागों द्वारा पढ़ाए जाएंगे जिन्हें छात्र अपनी रूचि के अनुसार चुन सकेंगे।
- कंप्यूटर दक्षता (04 क्रेडिट) प्रथम सेमेस्टर में एवं भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (विश्वविद्यालय द्वारा हिंदी के अतिरिक्त उपलब्ध करायी गयी भाषाओं में से कोई एक भाषा) (04 क्रेडिट) चतुर्थ सेमेस्टर में अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या होगी। उपाधि प्राप्त करने हेतु 50 प्रतिशत अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके क्रेडिट मुख्य परीक्षा में सम्मिलित नहीं होंगे।
- प्रत्येक छमाही में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी।

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार विवेचना

प्रथम सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 01	समाजशास्त्र का परिचय	4	44	10	06	60
बीएएस – 02	यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	2	22	05	03	30
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय **समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2				
अतिरिक्त अनिवार्य -1	**कंप्यूटर दक्षता**	**4**				
कुल क्रेडिट		**18**				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 01	**समाजशास्त्र का परिचय**	**4**	**प्रथम**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस - 01 : समाजशास्त्र का परिचय

इकाई 1: समाजशास्त्र की प्रकृति : अर्थ, परिभाषा, अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन की विषय-वस्तु

इकाई 2: समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध : मानवविज्ञान, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र

इकाई 3: मूल अवधारणाएँ : समाज, समुदाय, संस्था, समिति एवं समूह

इकाई 4 : प्रस्थिति एवं भूमिका : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार

अधिगम का परिणाम :

1. समाजशास्त्र की प्रकृति को समझने के साथ ही विद्यार्थी अध्ययन क्षेत्र एवं विषय-वस्तु को समझने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी समाज, समुदाय, संस्था, समिति एवं समूह जैसे सामाजिक संस्थाओं को समझ एवं समाज में इनके कार्यों को जान सकेंगे।
3. समाजशास्त्र का अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ पाए जाने वाले संबंधों के तत्वों को समझ एवं भेद कर सकेंगे।
4. सामाजिक प्रस्थिति एवं प्रस्थिति के साथ कार्य करने वाले भूमिकाओं को समझने एवं लिखने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. समाजशास्त्र का अर्थ एवं परिभाषा 2. समाजशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र एवं विषय-वस्तु	07	02	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 2	1. समाजशास्त्र का मानवविज्ञान से संबंध 2. समाजशास्त्र का मनोविज्ञान से संबंध 3. समाजशास्त्र का अर्थशास्त्र से संबंध 4. समाजशास्त्र का राजनीतिशास्त्र से संबंध	09	02	01	12	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. समाज 2. समुदाय 3. संस्था 4. समिति 5. समूह	17	03	02	22	36.66 %
मॉड्यूल 4	1. प्रस्थिति : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार 2. भूमिका : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार	11	03	02	16	26.66 %
योग		**44**	**10**	**06**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
समाजशास्त्र का परिचय पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Barnes, H. E. (1959). *Introduction to the history of sociology*. Chicago: The University of Chicago Press.
- Fletcher, R. (1994). *The making of sociology (2 volumes).* Jaipur: Rawat Pbc.
- Beattie, J. (1951). *Other Cultures*. New York: The Free Press.
- Bierstedt, R. (1974). *The Social Order*. New York: McGraw Hill.
- Linton, R. (1936). *The Study of Man*. New York: Appleton Century Crofts.
- Horton, P.B. and Hunt, C.L. (1985). *Sociology*. New York: McGraw Hill.
- Radcliffe-Brown, A.R. (1976). *Structure and Function in Primitive Society*. London: Cohen and West.
- Giddens, A., 2006 (5th ed.), *Sociology*, London: Oxford University Press.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 02	**यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास**	**2**	**प्रथम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	22
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	03
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

बीएएस - 02 : यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास

इकाई 1: समाजशास्त्र के उदय की पृष्ठभूमि : प्रबोधन युग, वाणिज्यिक क्रांति, वैज्ञानिक क्रांति एवं पुनर्जागरण

इकाई 2: फ्रांसीसी क्रांति : फ्रांसीसी समाज का बुनियादी स्वरूप, राजनीतिक पहलू, आर्थिक पहलू, क्रांति के कारण, फ्रांसीसी क्रांति के घटनाक्रम और परिणाम

इकाई 3: औद्योगिक क्रांति : अर्थ, नए-नए अन्वेषण, औद्योगिक क्रांति के कारण एवं समाज पर औद्योगिक क्रांति के प्रभाव

इकाई 4: समाजशास्त्र के संस्थापक : ऑगस्त कॉम्ट जीवन परिचय, सामाजिक परिवेश, मुख्य विचार एवं समकालीन समाजशास्त्र पर कॉम्ट के विचारों का प्रभाव

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. औद्योगिक क्रांति के कारणों एवं विश्व पर इसके प्रभावों को जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. समाजशास्त्र के जनक के रूप में अगस्त कॉम्ट के योगदान एवं इनके सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. तत्कालीन यूरोप की राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक घटनाओं को जानने एवं समाज पर पड़ने वाले इनके प्रभावों को विद्यार्थी जान सकेंगे।
4. फ्रांस की क्रांति के पश्चात यूरोप के साथ ही पूरे विश्व पर इस क्रांति के पड़ने वाले प्रभावों को विद्यार्थी समझने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. प्रबोधन युग 2. वाणिज्यिक क्रांति 3. वैज्ञानिक क्रांति एवं पुनर्जागरण	04	01	00	05	16.66 %
मॉड्यूल 2	1. फ्रांसीसी समाज का बुनियादी स्वरूप 2. राजनीतिक पहलू एवं आर्थिक पहलू, 3. फ्रांसीसी क्रांति के कारण 4. फ्रांसीसी क्रांति के घटनाक्रम व परिणाम	06	01	00	07	23.33 %
मॉड्यूल 3	1. औद्योगिक क्रांति: अर्थ 2. औद्योगिक क्रांति: नए-नए अन्वेषण 3. औद्योगिक क्रांति के कारण 4. समाज पर औद्योगिक क्रांति के प्रभाव	06	01	01	08	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. ऑगस्त कॉम्ट : जीवन परिचय, सामाजिक परिवेश, मुख्य विचार एवं समकालीन समाजशास्त्र पर कॉम्ट के विचारों का प्रभाव	06	02	02	10	33.33 %
योग		**22**	**05**	**03**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
यूरोप में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Abraham, F. & Morgan, J.H. (1985). *Sociological thoughts.* India Ltd: Ms millan.
- Horton, P.B. and Hunt, C.L. (1985). *Sociology*. New York: McGraw Hill.
- Randall, Collins. (1997). *Sociological theory*. Jaipur : Rawat Publications.
- Turner, J.H. (1995). *The structure of sociological theory*. Jaipur : Rawat Publication.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

द्वितीय सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 03	भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	4	44	10	06	60
बीएएस – 04	भारतीय समाज के परंपरागत आधार	2	26	04	00	30
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय **समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2				
अनिवार्य - 1	**पर्यावरण**	**4**				
कुल क्रेडिट		**22**				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 03	भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास	4	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	44
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस - 03 : भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास

इकाई 1 : भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की पृष्ठभूमि: अँग्रेजी राज से पूर्व सामाजिक विचारधारा, अँग्रेजी राज का प्रभाव, मध्यम वर्ग का उदय, सुधारवादी आंदोलन, पुनर्जागरण आंदोलन एवं स्वाधीनता आंदोलन

इकाई 2 : भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की वैचारिक पृष्ठभूमि: परंपरा और आधुनिकता के बीच द्विविधा, विनय कुमार सरकार, आनंद कुमारस्वामी एवं भारत में आधुनिक शिक्षा की रूपरेखा

इकाई 3 : भारत में सामाजिक नृशास्त्र का उदय: समाजशास्त्र एवं नृशास्त्र के बीच संबंध, समाजशास्त्र एवं भारतशास्त्र (Indology) के बीच संबंध

इकाई 4 : भारत में समाजशास्त्र के अग्रणी विचारक: राधकमल मुकर्जी, गोविंद सदाशिव घुर्ये एवं धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. भारत के वैचारिकी पर आउपनिवेशिक काल के प्रभावों को जानने एवं लिखने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. भारत में समाजशास्त्र के विकास की अनौपचारिक एवं औपचारिक संस्थाओं एवं साधनों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. भारतीय समाज वैज्ञानिकों के सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे और वर्तमान परिदृश्य में इनका मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. भारत में समाजशास्त्र के विकास में विभिन्न भारतीय विद्वानों के योगदानों का मूल्यांकन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. अँग्रेजी राज से पूर्व सामाजिक विचारधारा 2. अँग्रेजी राज का प्रभाव 3. मध्यम वर्ग का उदय 4. सुधारवादी आंदोलन, पुनर्जागरण आंदोलन एवं स्वाधीनता आंदोलन	15	03	02	20	33.33 %
मॉड्यूल 2	1. भारत में समाजशास्त्रीय चिंतन की वैचारिक पृष्ठभूमि: परंपरा और आधुनिकता के बीच द्विविधा 2. विनय कुमार सरकार 3. आनंद कुमारस्वामी एवं भारत में आधुनिक शिक्षा की रूपरेखा	13	03	02	18	30.00 %
मॉड्यूल 3	1. समाजशास्त्र एवं नृशास्त्र के बीच संबंध 2. समाजशास्त्र एवं भारतशास्त्र (**Indology**) के बीच संबंध समाज	07	02	01	10	16.66 %
मॉड्यूल 4	1. राधकमल मुकर्जी 2. गोविंद सदाशिव घुर्ये 3. धूर्जटी प्रसाद मुखर्जी	09	02	01	12	20.00 %
योग		**44**	**10**	**06**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारत में समाजशास्त्र का इतिहास एवं विकास पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा** (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Mason, Philip. (1967). Unity and Diversity: An Introductory Review in
- Philip Mason(ed.) *India and Ceylon: Unity and Diversity*. London: Oxford University Press.
- Stern, Robert W. (2003). *Changing India*. Cambridge: CUP.
- Srinivas, M.N. (1956). *A Note on Sanskritization and Westernization*, The Far Eastern Quarterly, Volume 15, No. 4, pp. 481-496.
- Thorner, Daniel. (1992). Agrarian Structure, in Dipankar Gupta (ed.), *Social Stratification in India,* New Delhi: Oxford University Press.

- Deshpande, Satish. (2003). *Contemporary India: A Sociological View.* New Delhi: Viking.
- Srinivas, M.N. (1987). *The Dominant Caste and Other Essay.* Delhi: Oxford University Press.
- Shah, A. M. (1998). *The Family in India: Critical Essays*. New Delhi: Orient Longman.
- Karve, Iravati. (1994). The Kinship map of India, in Patricia Uberoi (ed.) *Family, kinship and marriage in India.* Delhi: Oxford University Press.
- Shah, Ghanshyam. (2001). *Dalit identity and politics*. Delhi: Sage Publications.
- Kumar, Radha. (1999). From Chipko to sati: The Contemporary women"s movement, in Nivedita Menon (ed.) *Gender and Politics in India*. Delhi: Oxford University Press.
- Madan, T.N. (1997). *Modern Myths and Locked Minds*. Delhi: Oxford University Press.
- Dumont, L. (1997). *Religion, Politics and History in India*. Paris: Mouton.
- Sociological Theories
- Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield
- and Nicholson.
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories.* New Delhi: Atlantic Publisher.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.
- Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works.* London: Sage.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 04	भारतीय समाज के परंपरागत आधार	2	द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	04
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

बीएएस - 04 : भारतीय समाज के परंपरागत आधार

इकाई 1: धर्म एवं पुरुषार्थ: अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं स्वरूप

इकाई 2: वर्ण व्यवस्था: अर्थ, उत्पत्ति कार्य एवं विशेषताएं

इकाई 3: कर्म एवं पुनर्जन्म: अवधारणा, सिद्धांत, प्रकार एवं महत्त्व

इकाई 4: आश्रम व्यवस्था: अर्थ, विशेषताएं, महत्व एवं प्रकार

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. आश्रम व्यवस्था के विभिन्न प्रकारों एवं इनके महत्व से विद्यार्थी परिचित होंगे।
2. वर्ण व्यवस्था को समझने एवं वर्तमान जाति व्यवस्था के साथ तुलनात्मक अध्ययन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. भारतीय अभिमत कर्म एवं पुनर्जन्म के सिद्धांत के विभिन्न पक्षों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. धर्म एवं पुरुषार्थ के अर्थ को समझने के साथ ही साथ दोनों में अंतरसंबंधों को भी जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. धर्म : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं स्वरूप 2. पुरुषार्थ: अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं स्वरूप	06	01	00	07	23.33 %
मॉड्यूल 2	1. वर्ण व्यवस्था: अर्थ, उत्पत्ति कार्य एवं विशेषताएं	07	01	00	08	26.66 %
मॉड्यूल 3	1. कर्म एवं पुनर्जन्म: अवधारणा, सिद्धांत, प्रकार एवं महत्त्व	06	01	00	07	23.33 %
मॉड्यूल 4	1. आश्रम व्यवस्था: अर्थ, विशेषताएं, महत्व एवं प्रकार	07	01	00	08	26.66 %
योग		**26**	**04**	**00**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाज के परंपरागत आधार पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Dube, S. C. (1977). *Tribal Heritage of India.* New Delhi : Vikas Pbc.
- Mason, Philip. (1967). Unity and Diversity: An Introductory Review in Philip Mason(ed.) *India and Ceylon: Unity and Diversity*. London: Oxford University Press.
- Srinivas, M.N. (1969). The Caste System in India, in A. Beteille (ed.) *Social Inequality: Selected Readings.* Harmondsworth: Penguin Books.
- Madan, T.N. (1997). *Modern Myths and Locked Minds*. Delhi: Oxford University Press.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- अहूजा, राम. (1995). *भारतीय सामाजिक व्यवस्था*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

तृतीय सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 05	भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याएँ	4	42	14	04	60
बीएएस – 06	सामाजिक परिवर्तन	2	20	06	04	30
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय **समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2				
अनिवार्य - 2	**भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार**	**4**				
कुल क्रेडिट		**22**				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 05	**भारतीय समाज : मुद्दे एवं समस्याएँ**	**4**	**तृतीय**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	42
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	14
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस - 05 : भारतीय समाजः मुद्दे एवं समस्याएँ

इकाई 1. संरचनात्मक : निर्धनता/गरीबी, जाति एवं लिंग असमानता, धार्मिक एवं क्षेत्रीय विसमता

इकाई 2. पारिवारिक : दहेज, घरेलू हिंसा, तलाक (विवाह-विच्छेद), अंतः एवं अंतरपीढ़ीय संघर्ष

इकाई 3. विकासात्मक : विकास से उत्पन्न विस्थापन, उपभोक्तावाद एवं मूल्यों का संकट

इकाई 4. विघटनात्मक : अपराध, मादक द्रव्य व्यसन, भ्रष्टाचार, अत्महत्या एवं आतंकवाद

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विविध सामाजिक समस्याओं की पहचान करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. विकासात्मक सामाजिक समस्याओं को जानने एवं समाज में इनके पड़ने वाले प्रभावों को व्यक्त करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. दहेज, घरेलू हिंसा, तलाक, अंतः एवं अंतरपीढ़ीय संघर्ष के सैद्धांतिक अर्थ एवं परिवार की संरचना पर इनके प्रभावों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. समाज एवं युवाओं पर मादक द्रव्य व्यसन के प्रभावों को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. निर्धनता/गरीबी 2. जाति एवं लिंग असमानता, 3. धार्मिक एवं क्षेत्रीय विसमता	09	03	01	13	21.66 %
मॉड्यूल 2	1. दहेज 2. घरेलू हिंसा 3. तलाक (विवाह-विच्छेद) 4. अंतः एवं अंतरपीढ़ीय संघर्ष	12	04	01	17	28.33 %
मॉड्यूल 3	1. विकास से उत्पन्न विस्थापन 2. उपभोक्तावाद एवं मूल्यों का संकट	06	02	01	09	15.00 %
मॉड्यूल 4	1. अपराध 2. मादक द्रव्य व्यसन 3. भ्रष्टाचार 4. अत्महत्या 5. आतंकवाद	15	05	01	21	35.00 %
योग		**42**	**14**	**04**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
भारतीय समाज: मुद्दे एवं समस्याएँ पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Stern, Robert W. (2003). *Changing India*. Cambridge: CUP.
- Srinivas, M.N. (1969). The Caste System in India, in A. Beteille (ed.) *Social Inequality: Selected Readings.* Harmondsworth: Penguin Books.
- Srinivas, M.N. (1956). *A Note on Sanskritization and Westernization*, The Far Eastern Quarterly, Volume 15, No. 4, pp. 481-496.
- Alavi, Hamaza and John Harriss (eds.) 1989. *Sociology of 'Developing Societies': South Asia.* London: Macmillan.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- आहूजा, राम. (2016). *सामाजिक समस्याएं*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक* उद्दे. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 06	सामाजिक परिवर्तन	2	तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	06
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

बीएएस - 06 : सामाजिक परिवर्तन

इकाई 1: सामाजिक परिवर्तन: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, परिवर्तन के प्रतिमान एवं सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन में भेद

इकाई 2 : सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत : चक्रीय, उद्विकासीय एवं रेखीय सिद्धांत

इकाई 3 : सामाजिक परिवर्तन के कारक : प्राकृतिक या भौगोलिक कारक, प्राणिशास्त्रीय (जैवकीय), जनसंख्यात्मक, प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक कारक

इकाई 4 : सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रियाएँ : उद्विकास, प्रगति एवं विकास, संस्कृतिकरण, पश्चिमीकरण, आधुनिकीकरण एवं लौकिकीकरण

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. सामाजिक परिवर्तन के अर्थ एवं परिभाषाओं को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न सिद्धांतों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक परिवर्तन के विभिन्न प्रक्रियाओं को जान सकेंगे।
4. सामाजिक परिवर्तन में कारकों के योगदानों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. सामाजिक परिवर्तन के अर्थ, परिभाषा और विशेषताएं 2. परिवर्तन के प्रतिमान 3. सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन में भेद	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 2	1. सामाजिक परिवर्तन के चक्रीय सिद्धांत 2. सामाजिक परिवर्तन के उद्विकासीय सिद्धांत 3. सामाजिक परिवर्तन के रेखीय सिद्धांत	04	01	01	06	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. प्राकृतिक या भौगोलिक कारक 2. प्राणिशास्त्रीय (जैवकीय) 3. जनसंख्यात्मक 4. प्रौद्योगिकी एवं आर्थिक कारक	06	02	01	09	30.00 %
मॉड्यूल 4	1. उद्विकास 2. प्रगति एवं विकास 3. संस्कृतिकरण 4. पश्चिमीकरण 5. आधुनिकीकरण एवं लौकिकीकरण	06	02	01	09	30.00 %
योग		**20**	**06**	**04**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक परिवर्तन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Giddens, A. (1996). *Global Problems and Ecological Crisis in Introduction to Sociology.* New York: W.W. Norton & Co.
- Sharma, S. L. (2000). *Empowerment without Antagonism: A Case for Reformulation of Women's Empowerment Approach.* Sociological Bulletin, 49(1).
- Inden, R. (1990). *Imaging India.* Oxford : Brasil Blackward
- व्यास, दिनेश. (2014). *सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन एवं निरंतरता.* जयपुर: रावत प्रकाशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र.* नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र.* आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत.* इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

चतुर्थ सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 07	सामाजिक नियंत्रण	4	36	15	09	60
बीएएस – 08	प्रैक्टिकम (निबंध लेखन)	2	10	08	12	30
ऐच्छिक	विषय **समूह-ख** अथवा **समूह-ग** से किसी एक विषय का चयन कर सकते हैं	4 2				
अनिवार्य (हिंदी)	विषय **समूह-क** **हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	4 2				
अतिरिक्त अनिवार्य - 2	**भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या** विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा	**4**				
कुल क्रेडिट		**18**				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 07	सामाजिक नियंत्रण	4	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	09
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

बीएएस – 07 : सामाजिक नियंत्रण

इकाई 1 : सामाजिक नियंत्रण : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्त्व

इकाई 2 : सामाजिक नियंत्रण के अभिकरण : औपचारिक एवं अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण

इकाई 4 : सामाजिक नियंत्रण के रूप में समाजीकरण : अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं प्रकार

इकाई 3 : सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : ई. ए. रॉस, इमाइल दुर्खीम, टालकॉट पार्सन्स एवं डब्ल्यू.जी. समनर

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. सामाजिक नियंत्रण का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक नियंत्रण के औपचारिक एवं अनौपचारिक साधनों की भूमिका एवं महत्व को समझने में सक्षम होंगे।
3. समाज में समाजीकरण की भूमिका एवं आवश्यकता को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. सामाजिक नियंत्रण के विभिन्न सिद्धांतकारों के सिद्धांतों से विद्यार्थी परिचित होंगे एवं इनका आलोचनात्मक मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. सामाजिक नियंत्रण : अर्थ, परिभाषा, आवश्यकता एवं महत्त्व	06	03	02	11	18.33 %
मॉड्यूल 2	1. सामाजिक नियंत्रण के अभिकरण : औपचारिक एवं अनौपचारिक सामाजिक नियंत्रण	07	03	02	12	20.00 %
मॉड्यूल 3	1. सामाजिक नियंत्रण के रूप में समाजीकरण : अर्थ, परिभाषा, महत्व एवं प्रकार	08	04	02	14	23.33 %
मॉड्यूल 4	सामाजिक नियंत्रण के सिद्धांत : 1. ई. ए. रॉस 2. इमाइल दुर्खीम 3. टालकॉट पार्सन्स 4. डब्ल्यू.जी. समनर	15	05	03	23	38.33 %
योग		**36**	**15**	**09**	**60**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक नियंत्रण पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.
- विद्याभूषण. एवं सचदेव, आर. डी. (2006). *समाजशास्त्र के सिद्धांत*. इलाहाबाद: किताब महल प्रकाशक.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.
- धर्मेन्द्र. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

ज्ञान शांति मैत्री

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 08	प्रैक्टिकम : सामाजिक मुद्दों पर निबंध लेखन	2	चतुर्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	10
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	12
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

बीएएस - 08 : प्रैक्टिकम : सामाजिक मुद्दों पर निबंध लेखन

- **राष्ट्रीय एकता**
- **भारत में भूमंडलीकरण**
- **महिला सशक्तिकरण**
- **भ्रष्टाचार**
- **सोशल मीडिया**
- **तकनीकी के लाभ एवं हानि**
- **पर्यावरण**
- **जनसंख्या**

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न पक्षों को समझने एवं समाज के लिए स्वस्थ पर्यावरण की आवश्यकता को जान सकेंगे।
2. वर्तमान में तकनीकी के सफल प्रयोग एवं इसमें समाज को होने वाले लाभों एवं हानियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
3. महिला सशक्तिकरण, सोशल मीडिया, राष्ट्रिय एकता जैसे समसामयिक मुद्दों को जानने एवं व्यक्त करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. राष्ट्रीय एकता 2. भारत में भूमंडलीकरण	03	02	03	08	26.66 %
मॉड्यूल 2	1. महिला सशक्तिकरण 2. भ्रष्टाचार	02	02	03	07	23.33 %
मॉड्यूल 3	1. सोशल मीडिया 2. तकनीकी के लाभ एवं हानि	02	02	03	07	23.33 %
मॉड्यूल 4	1. पर्यावरण 2. जनसंख्या	03	02	03	08	26.66 %
योग		**10**	**08**	**12**	**30**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
प्रैक्टिकम : सामाजिक मुद्दों पर निबंध लेखन पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	**क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण**	**परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन**	**बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा**
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bose, N. K. (1967). *Culture and Society in India.* Bombay: Asia Publishing House.
- Dube, S. C. (1990). *Society in India.* New Delhi: National Book Trust.
- Dube, S. C. (1995). *Indian Village.* London: Routledge.
- Dube, S. C. (1958). *India's Changing Villages.* London: Routledge & Kegan Paul.
- Srinivas, M. N. (1963). *Social Change in Modern India.* Berkeley: University of California Press.
- शर्मा, एल. जी. (2015). *सामाजिक मुद्दे*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- व्यास, दिनेश. (2014). *सामाजिक सांस्कृतिक परिवर्तन एवं निरंतरता*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- गुप्ता, एल. एम. एवं शर्मा, डी. डी. (2005). *समाजशास्त्र*. आगरा: साहित्य भवन पब्लिकेशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पंचम सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	पाठ्यचर्या शीर्षक	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 09	शास्त्रीय सामाजिक चिंतक	3	28	10	07	45
बीएएस – 10	सामाजिक संस्थाएं	3	31	10	04	45
बीएएस –11	सामाजिक शोध-प्रविधि	3	31	08	06	45
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	3 3 3				
अनिवार्य - 3	**भारतीय संस्कृति**	**2**				
कुल क्रेडिट		**20**				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 09	**शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I)**	**3**	**पंचम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	28
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	07
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

बीएएस - 09 : शास्त्रीय सामाजिक चिंतक

इकाई 1: अगस्त कॉम्ट : प्रत्यक्षवाद, तीन स्तरों का नियम सिद्धांत एवं विज्ञानों का संस्तरण

इकाई 2: हर्बर्ट स्पेन्सर : उद्विकास का सिद्धांत एवं सावयववाद

इकाई 3: इमाईल दुर्खीम : आत्महत्या एवं सामाजिक तथ्य का सिद्धांत

इकाई 4: मैक्स वेबर : सामाजिक क्रिया, प्रोटेस्टेंट धर्म एवं पूंजीवाद, नौकरशाही

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. अगस्त कॉम्ट के सिद्धांतों को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
2. प्राकृतिक उद्विकास किस प्रकार सामाजिक उद्विकास से संबंधित है यह जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. सामाजिक तथ्य एवं आत्महत्या की विवेचना करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. सामाजिक किरया के सैद्धांतिक पक्षों को जानने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	अगस्त कॉम्ट : 1. प्रत्यक्षवाद 2. तीन स्तरों का नियम सिद्धांत 3. विज्ञानों का संस्तरण	07	03	02	12	26.66 %
मॉड्यूल 2	हर्बर्ट स्पेन्सर : 1. उद्विकास का सिद्धांत 2. सावयववाद	06	02	01	09	20.00 %
मॉड्यूल 3	इमाईल दुर्खीम : 1. आत्महत्या 2. सामाजिक तथ्य का सिद्धांत	07	02	02	11	24.44 %
मॉड्यूल 4	मैक्स वेबर : 1. सामाजिक क्रिया 2. प्रोटेस्टेंट धर्म एवं पूंजीवाद 3. नौकरशाही	08	03	02	13	28.88 %
योग		**28**	**10**	**07**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
शास्त्रीय सामाजिक चिंतक (I) पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield and Nicholson. (I & II)
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories.* New Delhi: Atlantic Publisher.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.
- Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works.* London: Sage.
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories*. New Delhi: Atlantic Publisher.
- Gerth, H.H. and C. Wright Mills, (eds.) 1948. *From Max Weber: Essays in Sociology.* London: Routledge and Kegan Paul.
- Calhoun, J. Craig. (2007). *Classical Sociological Theory. 2nd Edition*. Blackwell.
- Jayapalan, N. (2001). *Sociological Theories*. New Delhi: Atlantic Publisher.

- दोषी, एल.एस. एवं जैन, सी.पी. (2013). *सामाजिक विचारक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- रावत, हरिकृष्ण. (2005). *समाजशास्त्रीय चिंतक एवं चिंतक*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- पाण्डेय, एस.एस. (2010). *समाजशास्त्र*. नई दिल्ली: टाटा माईग्राहिल प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

ज्ञान शांति मैत्री

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 10	सामाजिक संस्थाएं	3	पंचम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	31
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

बीएएस - 10 : सामाजिक संस्थाएं

इकाई 1 : विवाह : अर्थ, परिभाषा, विवाह का संस्थात्मक महत्त्व, विवाह की उत्पत्ति एवं प्रकार, विवाह से संबंधित नियम एवं विवाह में आधुनिक परिवर्तन और परिवर्तन के कारण

इकाई 2 : परिवार : अर्थ एवं परिभाषा, उत्पत्ति, प्रकार, परिवार के प्रकार्य एवं महत्त्व, विघटन और परिवार में आधुनिक परिवर्तन

इकाई 3 : नातेदारी एवं उसकी शब्दावलियाँ : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, उत्पत्ति के सिद्धांत, नातेदारी के भेद, श्रेणियाँ एवं नातेदारी की रीतियाँ

इकाई 4 : जाति : अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं, उत्पत्ति के सिद्धांत एवं आधुनिक परिवर्तन

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी विवाह नामक सामाजिक संस्था के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी समाज में इसकी क्रियाविधि एवं उपयोगिता को जानने एवं समझने में सक्षम होंगे।
2. भारत जाति व्यवस्था की संरचना एवं कार्यों को समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययन के पश्चात परिवार का अर्थ, कार्य, महत्व, प्रकार एवं वर्तमान में बदलते प्रतिमानों को जानने एवं समझने में सक्षम हो सकेंगे।
4. सामाजिक संरचना की महत्वपूर्ण कड़ी नातेदारी को जानने एवं समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. विवाह : अर्थ, परिभाषा, विवाह का संस्थात्मक महत्त्व, विवाह की उत्पत्ति एवं प्रकार, विवाह से संबंधित नियम एवं विवाह में आधुनिक परिवर्तन और परिवर्तन के कारण	07	02	01	10	22.22 %
मॉड्यूल 2	1. परिवार : अर्थ एवं परिभाषा, उत्पत्ति, प्रकार, परिवार के प्रकार्य एवं महत्त्व, विघटन और परिवार में आधुनिक परिवर्तन	08	02	01	11	24.44 %
मॉड्यूल 3	1. नातेदारी एवं उसकी शब्दावलियां : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, उत्पत्ति के सिद्धांत, नातेदारी के भेद, श्रेणियाँ एवं नातेदारी की रीतियाँ	08	03	01	12	26.66 %
मॉड्यूल 4	1. जाति : अर्थ, परिभाषाएं, विशेषताएं उत्पत्ति के सिद्धांत एवं आधुनिक परिवर्तन	08	03	01	12	26.66 %
योग		**31**	**10**	**04**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक संस्थाएं पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	-	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Parkin, R. and L, Stone. (2004). 'General Introduction', in R. Parkin and L. Stone (eds.), Kinship and Family: An Anthropological Reader, U.S.A.: Blackwell.
- Schneider, D. M. (1972). 'What is Kinship All About?', in R.Parkin and L. Stone (eds.), Kinship and Family: An Anthropological Reader, U.S.A.: Blackwell.
- Carsten, J. (2004). Introduction in After Kinship. Cambridge: Cambridge University Press.
- Radcliffe-Brown, A. R. and D. Forde (eds.), (1950). African Systems of Kinship and Marriage. London: Oxford University Press.
- Fortes, M. (1970). 'The Structure of Unilineal Descent Groups', in M.Fortes, Time and Social Structure and Other Essays, University of London: The Athlone Press.
- Leach, E.R. (1961). Polyandry, Inheritance and the Definition of Marriage with Particular Reference to Sinhalese Customary Law', in E. R. Leach (ed.), Rethinking Anthropology, London: The Athlone Press.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 11	**सामाजिक शोध-प्रविधि**	**3**	**पंचम**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	31
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	06
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

बीएएस - 11 : सामाजिक शोध-प्रविधि

इकाई 1 : सामाजिक शोध : अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रकृति

इकाई 2 : सामाजिक शोध के प्रकार : मौलिक/विशुद्ध, व्यवहारिक एवं क्रियात्मक शोध

इकाई 3 : सामाजिक शोध के चरण

इकाई 4 : आँकड़े/तथ्य संकलित करने की तकनीक : प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत, अवलोकन, प्रश्नावली, अनुसूची, साक्षात्कार एवं वैयक्तिक अध्ययन

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. सामाजिक शोध के अर्थ एवं प्रकृति को जानने में सक्षम होंगे।
2. सामाजिक शोध के विभिन्न प्रकारों को जानने एवं इनमें अंतर करने में सक्षम होंगे।
3. अवलोकन, अनुसूची, साक्षात्कार, व्यैक्तिक अध्ययन पद्धति को जानने एवं शोध में इनका प्रयोग करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।
4. इस प्रश्न पत्र के अध्ययन के पश्चात विद्यार्थी शोध करने एवं शोध की समस्त क्रियाविधि को समझने में सक्षम हो सकेंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	1. सामाजिक शोध के अर्थ, परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रकृति	07	01	01	09	20.00 %
मॉड्यूल 2	1. मौलिक/विशुद्ध शोध 2. व्यवहारिक एवं क्रियात्मक शोध	07	02	01	10	22.22 %
मॉड्यूल 3	1. सामाजिक शोध के चरण	08	02	01	11	24.44 %
मॉड्यूल 4	1. प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत 2. अवलोकन 3. प्रश्नावली 4. अनुसूची 5. साक्षात्कार 6. वैयक्तिक अध्ययन	09	03	03	15	33.33 %
योग		**31**	**08**	**06**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक संस्थाएं पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Bryman, A. (1988). *Quality and Quantity in Social Research.* London: Unwin Hyman.
- Jayaram, N. (1989). *Sociology: Methods and Theory.* Madras: MacMillian.
- Bose, P. K. (1995). *Research Methodology.* New Delhi: ICSSR.
- Bryman, Alan. (2004). *Quantity and Quality in Social Research*. New York: Routledge.
- Srinivas, M.N. et. al. (2002). *The Fieldworker and the Field: Introduction in Sociological Investigation.* New Delhi: OUP.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. New York: The Free Press.
- Weber, Max. (1949). *The Methodology of the Social Science*. New York: The Free Press.
- Bryman, A. (2008). *Social Research Methods.* Oxford: Oxford University Press.
- कुमार, रंजीत. (2017). *शोध कार्यप्रणाली.* नई दिल्ली: सेज भाषा.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

षष्ठम सेमेस्टर (छमाही)

कोर्स कोड	विषय	क्रेडिट	कक्षा/ ऑनलाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल/ संवाद कक्षा	व्यावहारिक/ प्रयोगशाला/ स्टूडियो/ क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधि	कुल अवधि
बीएएस – 12	सामाजिक चिंतक	3	31	10	04	45
बीएएस – 13	सामाजिक आंदोलन	3	28	1 0	07	45
बीएएस – 14	**परियोजना/क्षेत्र कार्य**	3	10	15	20	45
अनिवार्य (हिंदी)	**विषय समूह-क हिंदी (भाषा एवं साहित्य)**	3 3 3				
अनिवार्य - 4	**भारतीय चिंतक**	2				
कुल क्रेडिट		**20**				

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 12	**सामाजिक चिंतक**	**3**	**षष्ठम**

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	31
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

बीएएस – 12 : सामाजिक चिंतक **(3 क्रेडिट)**

इकाई 1 : राजा राम मोहन राय

इकाई 2 : डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर

इकाई 3 : महात्मा गांधी

इकाई 4 : महर्षि दयानंद सरस्वती

प्रयोगिक: प्रश्न पत्र के अध्ययन के दौरान विद्यार्थियों से निम्नलिखित प्रयोगिक कराए जाएंगे-

1. विद्यार्थियों द्वारा समाजशास्त्रियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन।
2. विद्यार्थियों की रुचि के अनुसार टर्म पेपर लेखन एवं सेमिनार प्रस्तुति।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी राजा राम मोहन राय के योगदानों को समझने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी अंबेडकर जी के कार्यों, विचारों और योगदानों को समझने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी गांधी जी के आंदोलनों, सिद्धांतों और योगदानों के सामाजिक संदर्श को समझने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी महर्षि दयानंद के विचारों और योगदानों के सामाजिक संदर्श को समझने में सक्षम होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	राजा राम मोहन राय	07	02	01	10	22.22 %
मॉड्यूल 2	डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर	07	03	01	11	24.44 %
मॉड्यूल 3	महात्मा गांधी	08	03	01	12	26.66 %
मॉड्यूल 4	महर्षि दयानंद सरस्वती	09	02	01	12	26.66 %
योग		**31**	**10**	**04**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक चिंतक पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- Aron, R. (1967). *Main Currents in Sociological Thought*. London: Weidenfield
- and Nicholson.
- Durkheim, E. (1958). *The Rules of Sociological Method*. Glencoe: Free Press.
- Jones, R.A. (1986) *Emile Durkheim: An Introduction to Four Major Works*. London: Sage.
- Gerth, H.H. and C. Wright Mills, (eds.) 1948. *From Max Weber: Essays in*
- *Sociology*. London: Routledge and Kegan Paul.
- Calhoun, J. Craig. (2007). *Classical Sociological Theory. 2nd Edition*. Blackwell.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण

पाठ्यचर्या का कोड	पाठ्यचर्या का नाम	क्रेडिट	सेमेस्टर
बीएएस – 13	सामाजिक आंदोलन	3	षष्ठम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	31
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला /स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ	04
कुल क्रेडिट घंटे	**45**

बीएएस – 13 : सामाजिक आंदोलन **(3 क्रेडिट)**

इकाई 1 : सामाजिक आंदोलन: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं सामाजिक आंदोलन के सहायक दशाएँ

इकाई 2 : दलित एवं जनजातीय आंदोलन

इकाई 3 : पिछड़े वर्गो एवं अल्पसंखयकों के आंदोलन

इकाई 4 : कृषक एवं महिला आंदोलन

प्रयोगिक: सामाजिक आंदोलन नामक प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को निम्नलिखित प्रयोगिक कराए जाएंगे-

1. विद्यार्थियों से कृषक आंदोलन के कारणों एवं परिणामों को सूचीबद्ध कराया जाएगा।
2. विद्यार्थियों द्वारा महिला आंदोलन का मूल्यांकन।
3. किसी एक इकाई पर टर्म पेपर लेखन एवं सेमिनार प्रस्तुति।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी सामाजिक आंदोलन के अर्थ एवं वैचारिकी से विद्यार्थी परिचित होंगे।
2. कृषक आंदोलन के विभिन्न कारणों एवं आंदोलन के पश्चात कृषक जीवन में आए परिवर्तनों को जानने एवं समझने में सक्षम होंगे।
5. महिला, दलित एवं जनजातीय आंदोलन की विषय वस्तु से विद्यार्थी परिचित होंगे।

पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)*			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		कक्षा/ऑन लाइन व्याख्यान	ट्यूटोरियल / संवाद कक्षा	व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य/ कौशल विकास गतिविधियाँ		
मॉड्यूल 1	सामाजिक आंदोलन: अर्थ, परिभाषा, विशेषताएँ एवं सामाजिक आंदोलन के सहायक दशाएँ	07	02	01	10	22.22 %
मॉड्यूल 2	दलित एवं जनजातीय आंदोलन	07	03	01	11	24.44 %
मॉड्यूल 3	पिछड़े वर्गों एवं अल्पसंखयकों के आंदोलन	08	03	01	12	26.66 %
मॉड्यूल 4	कृषक एवं महिला आंदोलन पर्यावरण आंदोलन	09	02	01	12	26.66 %
योग		**31**	**10**	**04**	**45**	**100%**

* अनुमानित निर्धारित अवधि (घंटे में)

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान :

अभिगम	एकीकृत अभिगम
विधियाँ	संवाद, निगनात्मक एवं आगनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक, प्रश्नोत्तर।
तकनीक	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, इत्यादि तकनीकों का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, मॉडल, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	मूलभूत अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	विशिष्ट कौशल	उचित मुद्दों की पहचान	समस्या को सुलझाने का कौशल	अन्वेषण कौशल	आईसीटी कौशल	संचार कौशल	पेशेवर / नैतिक व्यवहार
सामाजिक चिंतक पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

7. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना :

सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources) :

- चावला, रमेश. (2017). *भीमराव अंबेडकर और भारतीय लोकतंत्र*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- लाल, श्याम. (2015). *अंबेडकर एवं दलित आंदोलन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.
- सिंह, एन. वी. एवं सिंह, जनमेजय. (2005). *भारत में सामाजिक आंदोलन*. जयपुर: रावत प्रकाशन.

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

ज्ञान शांति मैत्री

(संकायाध्यक्ष)

बीएएस – 14 : परियोजना/क्षेत्र कार्य **(3 क्रेडिट)**

स्थानीय किसी समस्या/विषय पर प्राथमिक तथ्यों के आधार पर लघु प्रतिवेदन

(American Psychological Association (APA) का उपयोग करते हुए रिपोर्ट लेखन करना)

मूल्यांकन प्रविधि

प्रतिवेदन एवं मौखिकी के आधार पर प्राप्तांक प्रदान किए जाएंगे। मौखिकी परीक्षा वाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएगी।

प्रयोगिक: इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थी विभिन्न शोध तकनीकों की सहायता से क्षेत्र कार्य के द्वारा परियोजना कार्य पूर्ण करेगा।

अधिगम परिणाम (Learning Outcome) :

1. विद्यार्थी परियोजना कार्य लिखने एवं प्रतिवेदन प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
2. विद्यार्थी सामाजिक शोध की विविध प्रक्रियाओं को पूर्ण करने में सक्षम होंगे।
3. विद्यार्थी सामाजिक घटनाओं की पहचान एवं उनका वस्तुनिष्ठ विवरण प्रस्तुत करने में सक्षम होंगे।
4. विद्यार्थी सामाजिक ज्ञान में वृद्धि करने एवं पुराने ज्ञान की परख करने में सक्षम होंगे।